16699

पदावली

श्री पं० उमापति जी

॥ अथ दोलापदावली प्रारम्भः ॥

हिंडोराझूलतराजकिसोर । गरजैगगनमेघमधुरी धुनिदामिनिकरतअजोर । श्यामघटावगुपांतिविराजैपवनचलतझकझोर ॥ १ ॥ वेसीवेनसितारसारंगीसमकासुरएकठोरढोलमृदंगमजीरामहुरिधुनिउपजतघनघोर ॥ २ ॥ गावतसुरनरनारिसुहावनसावनउटतअडोर । निरखतसुरवरवधूपुलकितनरामनयनकीकोर ॥ ३ ॥ अतिआनन्दउभयपुरवासीलखतरामकीवोर ॥ कोविदरामसियाकोझूलनकंजमधुपमनमोर ॥ १ ॥ रागचंचरीक ॥ झूलतकरुणानिधानरामचन्द्रकरतगानगायकनटनर्तकीचरित्ररामराइकै । झूलनअतिसैअमोलविद्रुमकोषंभगोलवेलनस्फटिकचित्रपटुलीवनत्राइकै । रेसमकीडोरिसोहिमुकुतामणिपोहिपोहिवट्टेउविश्वकर्मनिजनिपुनतोप्रगटाइकै ॥ १ शोभिततोरणविशालवीचगुहेलाललागेमणि कोरसुरुखाचांदनोतनाइकै । झलकतझाडैअपारमणिनकोवहारदारदीपकशतकोटिद्विगुणतेजपुंजपाइकै ॥ २ ॥ वंसीसारंगसितारवाजतमभएकत्रारढोलकमृदंगरवावभेरीधुधुआइकै गावतसूहामलारमांडवीसुधारिसारतालकोतरंगरहयोसुरसमूहछाइवै ॥ ३ ॥ निरखतसुरमुनिसमाजगगन

से वमानसांजिवरखतसुरनारि सुमनमगनमनअघाइकै ।
कोविदकविदैअशीशवाढौरघुवंशशीशदीन्हेउआनन्दमो
हिझूलनदेषलाइकै ॥ ४ ॥ रसरसझुलाझुलावोप्रीतम ।
तुमहँसिहँसिहूलोजलदीपियथरथरतरहियलरजेमम ॥१॥
आवगुलाबमधुरपिचकारी करोवयारीकमलदलनम्रन ।
हरोकरोसुखमुषनिरखोचषो कोविदस्वादविवादविनाग
म ॥ २ ॥ कसकसअसरसकरोविहारी । जामेदमेकसकथ
कलागेआलीचालीहँसेतिहारी ॥ १ ॥ रसरसदोलाहूलोझू
लोवाअलीझुलावेगावैनिहारी । सँचपोवेंरंचवचनगहोअ
होकोविदअवउनहिनकीवारी ॥ ४ ॥ श्रीशावनसुखहारला
ललीअलीलैझूलाझूलतसबसुखकार । साधनबिनसाध
नबिनबाधनएधनपरवरद्वार ॥ लखिसुरसुरिआनंदसरि
डूवतिडूबतिधनिभनिवार ॥ १ ॥ राजधानिधनिधनि
रानीधनिधनिराजनसरदारा श्रीदशरथहियरथकविकोवि
दपूरेपरमउदार ॥ ५ ॥ लखोप्रीतमहोशावनपावनबहार
नीरदनीरभरेअरेनभसभसबुजीलागिवजार ॥ १ ॥ गुंजत
भृंगपतंगकुरंगहुधीरसमीरउदार । कोविदमुदमयदोला
लीलाकीजेलीजेसुखसार ॥ ६ ॥ पियाखेलोहोयहखेलि
बिशेश । शावनमासशोहावनपावनजीवनहरतक्लेश ॥
१ ॥ बाजवजावतघनभावतमननाचतबिजुरिनदेश । रा
वरकोविददोलिअगावतिभ्रमरिभनीधनिशेश ॥ ७ ॥

चालीगुप्त चैत्रावरि ॥ फूलिएफूलाहोसुरतरुबरवगिआ
होलाला । मनिमयवहसुन्दरशाला वहेपरिमलहोमारु
तहतखगमृगआला ॥ १ ॥ घनसघनगगनबनमाला । बर
सेबरसाकोविदहसिसुरबाला ॥ २ ॥ अलिआबलिहोकहे
फूलिएभलिललिलाला । तैआरिकरीसुरआला गुनिआ
एहोप्रकटहिंअद्भुतगुनमाला ॥ १ ॥ नरिकिन्नरिसुरिचलि
शाला । कोविदकविहोछबिलखिलहेमादबिशाला ॥ ८ ॥
रागमेघ ॥ निरखतलाललीघनुनीर । सस्मितमुखवि
स्मितमनुभाषतसुरतरुकलिजनुगीर ॥ तबलगिउमंगसु
रीसुरप्रतिपगिदेतनजरिकनिहीर ॥ १ ॥ मंदमंदबोलतडो
लततनिमेहनेहकरिबीर । तबनुतिकरतशुनाबतनिजनति
जनुधनिन्ननिकोउधीर ॥ २ ॥ अद्भुशद्भुनिरूपअनूपहुं
गुनिधुनिकियशिखिशीर । नाचसाचकरितरिबरजरिध
रितबप्रतिपरिहरिपीर ॥ ३ ॥ कोविदकबिकबिताकरिछ
बिताधरिबिहरतसरितीर । परप्रसन्नरबिछन्नसुराहतन
र्मसखासखिभीर ॥ ९ ॥ चलिबलिवेलाललीकरेकलि
मनिमयबागसुभागलागबरअमितसुकुसुमिरुबेलि । आं
लिआंलिकाकलिकलिभलिछलिकिअगितिअपसरचेलि ॥
कोविदकविकविआदिसराहतधनिधनिअबधनवेलि ॥१०॥
अलिललिलैलाउनखेलतखेलि । घनहरसतबरसतसरसत
रसदरशतदामिनिमेलि ॥ १ ॥ परिमलपरमनरमकुसुमा

वलिमृदुमारुतकरुकेलि । कोविदकुशलअलीखगमृगउतक
रतक्षिपोक्षिपिवेलि ॥ ११ ॥ झुलावै होझुलनवाँत्रिमलअ
लिआँ । मनिमयझूलनमनिमयषंभारंभादिकनृतिगतिच
लिआँ ॥ १ ॥ धीरसमीरतीरसरिवाटीहाटीलागिकुसुमकलि
आँ ॥ २ ॥ झूलतलाललीभलिविधिसें निधिसें पाइअवध
थलिआँ ॥ ३ ॥ कोविदकविछविनिरखिसुरीगनमनमाना
षेंसवेत्रलिआँ ॥ १२ ॥ सरससोहावनशावनाजहांझू
लनवहार । गगनसघनघनघूमहुएवहेत्रिविधवयार।फूल
फुलेहोकारेअलिगुंजार ॥ १ ॥ मनिमयमन्दिरसुन्दरहो
मनिमयदीवाँर । मनिमयत्रागविभागसहितमनिमयतरु
तार ॥ २ ॥ रागविचित्रदिमागसहितगावै नरिसुरिसार ।
प्रतिमासमभएमतिमतहोमुनिसवसंसार॥ ३ ॥लाललीझू
लेझूलाहोझुलवेअलियार। कोविदलखिसुखिआशिखहोदे
हिसुरसरदार॥ १३ ॥ रसरसझूलाझुलावोप्रीतम । तुमहँसि
हँसिहूलोझूलोजलदी। पियथरथरतरहियलरजेमम ॥ १ ॥
आवगुलाबमधुरपिचकारीकरोवया।रिकमलदलनश्रमहरो
करोमुखमुखनिरखोचषोकोविदस्वादविवादविनागम ॥
१४॥ कसकसअसरसकरोविहारी । जामेहमेकसकथकला
गेआलीचालीहँसेंतिहारी ॥ १ ॥ रसरसदोलाहूलीझूलोवा
अलीझुलावें गावेंनिहारी । सँचपाँवेंरचवचनगहोअहो
कोविदअवउनहिनकीवारी ॥ १५ ॥ धनिधनिलीलाशो

हावनशावन । हरितलतानवितानतनेघनघूमतचूमतविजु
मुखपावन १ धीरसमीरमोरशोरवरगुनिगनकरतसरसरस
गावन । कोविदधनिधनिलाललीअलीधनिधनिसोउजि
नधरिइनदावन ॥१६॥ धनिधनिलाललीअलीलोको । जि
नशावनपावनलीलाकरिकीनचराचरसबहिशोको । घन
वनओटमोटमृदलुतमुरसरिवरसत सुमविनररकोकोवि
दकविछविढविथोको॥ १७ ॥श्रीलाललीभलीझूलाझूले।
कुंजमंजुमणिपुंजगेहझूलासुरीपरीअलिद्वले ॥ १ ॥ सेवा
करतपवनघनसुमनसगुनीगानकरेखूले । कोविदलीलालो
किलोकसबधनिधनिभनिसुधिभूले ॥ १८ ॥ राजकुमारकु
मारिझूलाझूलें । धीरसमीरनीरधरसावनपावनकुलफुल
फूलें ॥ १ ॥ श्रीगुरुतातमातनरसुरगुनसिंधुवंधुअनुकूलें।
कोविदजनगनभाग्यसराहतलीलालषिमुदमूलें ॥ १९ ॥ ए
लाललीझूलाझूलीसावन । अलीअर्धनाकरतिभरतिवन
लिजलदोकरोमनभावन ॥ १ ॥ परिषतिपरीसुरीकिन्नरि
नरिभेजतनिजनिजधावन । कोविदमोदविनोदकिएसुनि
गुनिधुनिजगकिएपावन ॥ २० ॥ एलाललीसावनकिया
वाघन । दोलालीलाकरिअतिअद्भुतसज्जनजनहिजिआ
वन ॥ १ ॥ तीनालोकविलोकिसोकसजिनिजनिजगृहिक-
रैंगावन । कोविदसोविदसाधनिधनिजनिजालगिइनदुइ
दावन ॥ २१ ॥ मनिमयझूलतहोललिलालउताल । अ-

लिवरजेअरजेकरैहोलिकोमलविशाल । रहनिगहनिघ
निजानोहोतौकसअसचाल ॥ १ ॥ सज्जितमज्जितलज्जा
मैलषिललितलिहाल । कोविदआवगुलावछिरिकिपंषा
क्रियलाल ॥ २२ ॥ ॥ मेघ ॥ मंदमंदेझूलतझूला । लल
किललकिलिलिाललीलै । घलकिवलकिघनधुनिशुनि
तूला ॥ १ ॥ मेमीकेकीकूकहूकहररुकतपवनभवनफुलफू
ला । कोविदगानतानशावनघनशुनतसरोहतसुरमुदमूला
॥ २३ ॥ झूलतझूलनलाललीभल । मंदमंदबोलतडोल-
नघनपवनकर तगितिललितअलीकल ॥ १ ॥ कुसुमसमूह
अनूहरूहसुखसाजतराजतवागथलीथल । कोविदमोदत्रि
नोदमहालहिसुरउपसुरकहिधनिश्रीललीलाल ॥ २४ ॥
श्रीलाललीभलेझुलाझूलैकुंजमंजु मनिपुंजगेंहझुलासु-
रीपरीभलिहूले ॥ १ ॥ सेवाकरतपवनघनसुमनसगुणोगा
नकरैंषूले । कोविदलीलालोकिलोकसवधनिधनिभनिसु-
धिभूलें ॥ २५ ॥ राजकुमारकुमारिझुलाझूले । धीरस-
मीरनीरघशावनपावनकुलफुलफूले ॥ ३ ॥ श्रीगुरुनात
मातनरसुरगुनसिंधुवंधुअनुकूले । कोविदजनमनभाग्यस
राहतलीलालखिमुदभूले ॥ २६ ॥ अलिलैझूलहींलिलि-
लालें । मनिमैंझूलनमनिमैझूलनमनिमैमन्दिरआलें ॥१॥
मनिमैतरुवीरुधवापीसुममनिमैखगमृगत्रालें । मनिमैत-
नुनरंगगानवरकोविदसुरवेहालें ॥ २७ ॥ अलिलषुला-

ललललिबलिझूला ॥ नरीसुरीअपसरीगाननृत्तकरीहरीहि यशूला ॥ १ ॥ धीरसमीरतीरसरिनीरदनीरहीरमुदमूला कोविदसत्रसाधनअद्भुतनुहकल्पलतातरुफूला ॥ २ ॥ ॥ कजरी ॥ शिरिशावनशोववनझुलनमजरा अटाचढीघ टादेखालेखात्रिजुगजरा ॥ हियधरेउचरेमृदुंजतकजरा ॥ १ ॥ ललीअलीलैलालसंगचढोत्रजरा ॥ झूलाझुलोसरि तरिमोहहरिअजरा ॥ २ ॥ पियसियसहकियवहुमोजरा हियहरतियसुठिसुखदिनगुजरा ॥ ३ ॥ यहसुखशुआपाली पादिलपंजरा ॥ गहिकोविदसमुदसमुदसुरशिशुपंजरा ॥ ॥ ४ ॥ झूलहीमललाललीजू ॥ रितुअनुकूलफूलफलखग कुल कलपरिमललहिझुलउअलीजु ॥ १ ॥ मनिमयदोल अमोलवागनगलोलगोलअलिबोलभलीजू ॥ वारिवारि धरिवारिदेतवरघरमनिमयसुरमोहथलीजू ॥ २ ॥ मंदमंद मारुतहूतअद्भुतकेकीकोकिलचटककलीजू ॥ गानतानगुनिग ननर्तनुमनहरनघनीघनगलिनगलीजू ॥ ३ ॥ सुरसुरिनरन रिसरिनगरीभरितनघरिघरिफललोकिचलीज ॥ कोविदक धमपिआशिषशिखदैकहतगहतमुदशिशुनछलीजू ॥२॥ अ लिनलैझूलहीललिलाली ॥ शावनसमयसोहावनपावनरे सवरिसावनआलें ॥ १ ॥ धीरसमीननीरधरधावततीर सरयुमुदवाले॥ कोविदमोदविनोदमहोलषिसुरसुरिसुमशुभ डाले ॥ २ ॥ झुलनलखोझूलहीं अलिललो ॥ लालझुला

वतरागिनिगावतसबजगहृदयहली ॥१॥ शिवमोहितहित मानिआनितजिरजिलखिभजिरहथली ॥ कोविदमुदमय आशिराशिदियवारबारबलिवली ॥ २ ॥

॥ देशभेद ॥ अलिसहलाललीभलझूले वरसतमेहनेह सोमृदुमृदुमधुरकुससमफूले ॥ १ ॥ शीतलमंदसुगंध गंधवहवहत्तमहत्त अनुकूलकोविदगानगानअद्भुतअतिसाज वाजमुदमूले ॥ २ ॥ वरसतहरसतमेहफुहार झूलहुझू लनवरमुदमूलनहमतुमरेसुखकारे ॥ १ ॥ लताललित अतिकुसुमकलीभलाधीरसमीरेसुधारे ॥ कोविदलालल लिअलीलैसंगसफलकरोवसुधारे ॥ २ झूलतझूलनलाल ललीजसमयसहायसुभाएभएसबजलथलफूलेकुसुमकलीजु ॥ गुंजतमधुकरपुंजमंजुचरसिंजितहियहरनृतकअली जू ॥ १ ॥ केकीकोकिलकूकहूकहरनूकविनासबवागभ लीजू ॥ कल्पबेलिकरुकेलिमेंलिकरिशोरसमीरविवशसु फलीजू ॥ २ ॥ गगनसघनघनघूमतचूमतत्रिजुमुखसुख मयवारिरलीजू ॥ युगलहंसतमससुगलकरतशतसबहिड गलरसहृदयथलीजू ॥ ३ ॥ सुरसिहायगुनगायधायइह-आयविहायस्वकृतिविमलीजू॥कोविदपायमहाशिवसाग रमज्जिउमज्जिसबसकिचलीजू ॥४॥ लालकीलखिदोलाली ला ॥ रसरितुतवशरसवरसहरसपरसकलकुसुमसूविकश रससीला ॥ १ ॥ मेघअमोघओघसुखसाधतधीरसमीरसहि

तहीला ॥ वागतडागविभागसुहितनितमाहतसुमनसुमनस खगमीला ॥ २ ॥ सुरनरवरगंधर्वगर्वगुणत्वंसर्वशिक्षित रितगीला ॥ हृद्यवाद्यअनवद्यपद्यपरसद्यरचितगितहृ तआभीला ॥ ३ ॥ नृत्यसत्यसंगीतरीतसहहियहरप्रि यतरसुरवरजील॥ कोविदललीअलीमिलिविहरतिहरतिहृद यहरिहरविधिईला ॥ ४ ॥ मल्लार ॥ वरसतवूंदनवूँदन मेहपिआपरदेशीछाडगोनेह ॥ जोदुखहोतआजयहसजनी सोजानतहैदेह ॥ १ ॥ केकीकूकहूकहियशालत दामिनि दमकअछेह ॥ कोविदमोदहोइतवहीजवलालदयहिदया गेह ॥ २ ॥ लाललीश्रीहिंडोर ॥ लीलालावनशावन पावनघावनसुरचहुंओर ॥ १ ॥ परविधिशिल्पिकल्पि यहपरसिधिसाधिराधिसुरजोर ॥ अभ्दुतमारुतरुतखग मृगतगफुलफलदलदुतिदोर ॥ २ ॥ दामिनिदमकचमकरत नावलिवलिघनवमकअघोर ॥ रागरागिनिअनुरागिनि भागिनिहरवरहियहरवोर ॥३॥ वरचरअचरअमरपरमोहे दोहेआशिअथोर ॥ कोविदनिजविनोदलखिसखिसहआ पहंदोउभैभोर ॥ ४ ॥ सिन्दूरानेद ॥ लाललीअलीलै सरिकूले मनिमयझूलेंझूले ॥ धीरसमीरनीरनीरदमुदसव रितुफूलेंफूले ॥ १ ॥ सुन्दरतरचन्दिरमन्दिरवरमन्दरद्रुम मूले ॥ कोविदतियसुपर्वगन्धर्वहुंहंसिहंसिहूलेहूले ॥ २ ॥ ॥ काफीभेद ॥ झूलतझूलनलाललीजू हुलसिहुलसिझू-

लवृत्तिश्रीअलीजूगानमनोहरनोहरपदयतिहरतिउपसुरीम
दअवलीजू ॥ शुनिशुनिमुनिवरफनिवरसुरवरमोहकोहवशि
आशिरलीजू ॥ १ ॥ कुसुमसमूहअनूहमेहगतिनेहअछेह
सुखदचपलीजू ॥ नाचसांचरांचेनाचेकरकोविदधनिभनि
सवहिभलीजू ॥ २ ॥ सरिगमपधनिनिसनिधनिसासस
निनिधधपपममगगरिस । सरिरिसगममगपधधयसनिसा
कोविदनिधपमगरिससरिसमगन्धपसनिनिपधमपगग प
निसा ॥४१॥ कजरी ॥ दुतिदोहेंशोहेंसियासियापियागज
रा । जाकेमृगदृगवारेंकारेविनकजरा ॥ १ ॥ जाकेरहेवि
नवेलिवेलिकेलिमजरा । जाकेलखिसखिरहेहंसिवशिअ
जरा ॥ २ ॥ जहरहेरहनहिसुनायुवासजरा । करैंक्योंदि
नकेलिसरितरिवजरा ॥ ३ ॥ जलथलसिलाशफारफान
हिखजरा । कहिकोविदसफाईनगजरवजरा ॥ ४२ ॥
॥ सिन्दूरा ॥ झूलहींअलिलाललीजू । सघनसुघनवन
वुंदसुंदरेदतहेतहितचेतचलीजू । दामिनिदमकिघमकि
चमकीचकिजीकछकिरहीमहिकरहिवलीजू १ सुमनसुम
नसमसुमनसमेरितुकुसुमितअमितकमितसुकलीजू । धी
रसमीरसुनीरपरसिरसिनर्मशर्मलगिचलसुअलीजू ॥ २ ॥
नोहरतानसुगानमनोहरगुनिगनकरतसुरीतिभलीजू । सा
जत्राजनहिहओहरदोहरसवसनहृदयसुगीतिसलीजू । ली
लाललितअलितपरमारमालोकतलोकसुशोकदलीजू। को

विदकविछविइनजिनध्याईतिननिजजन्मकर्म्मसफलोजू ॥ ४३ ॥ झूलनझूलोराजकुमार । शावनअजवबहार । सबुजीसहरडहरमृदुमंजुलकुंजकुंजसुमसार । मेघअमोघसुखदसौदामिनिकामिनिसुहितबयार ॥ १ ॥ मृंगविहंगअनंगसुहृदहृदहरवरगुंजसुधार । गुनिगनगानतानन र्त्तनधनदियमुदकोविदयार ॥ ४४ ॥ नितनितझूलेंपिय प्यारीमनअनुकूलसिंगारिसखीतनरतनझूलावैठारी ॥१॥ मधुरमनोहरमन्दिरसुन्दरमधुरफूलफुलवारी ॥ २ ॥ वा वूभरतादिदरवानीमुग्धवधूहुलवारी ॥ ३ ॥ कोविदकुश लअलीगुनगावहिनांचहिछवित्रारी ॥ ४५ ॥ झूलतदीने गलवाहींरघुनंदनअरुजनकनंदिनीप्रेमपगेमुसुकाहीं ॥१॥ आलिझुलावतिगावतिनाचतिवारतितनमनचाही ॥ २ ॥ घनिसावनधनिधनियहविहरनि भनिसुरिपरिमुछाहां॥ ३ ॥ कोविदकविछविकविमतिमोहनिवसउसदामनमांहीं ॥ ४६ ॥ अलिगनगावें पदझूलाउपजउमंगतरंगतानसुनि भरतादिकमतिभूला ॥ १ ॥ अलंकाररसअर्थसारध्वनिव्यं गमंधुरीसमतूला । शुनिप्रीतमप्यारीमुदभारीवकसिसिम नअनुकूला ॥ २ ॥ हावभावधावपदपदपरलास्यहास्यमु दमूला । सुरिकिन्नरिपरितेंपरशुनिशुनिहृदयतामरसफू ला ॥ ३ ॥ कोविदकविढविअद्भुतलहिदोउहियलाएआंशु ढुला । घूमिघूमिमुखचूमिचूमिपियसियसमकियहियखू

लो ॥ ४७ ॥ करकेभूरुनभलभूरोसुरभीसुरभिफुलफूले।
गुंजेमधुकतपुंजेकोकिलकुलअनुकूलो । वरसेरसेतरुवीरु
धमहमहमहकसरिकूलो ॥ १ ॥ जलथलनभतलचलजाले
सुखआलकरहरशूलो । नृपकुंआरकुंअरितवकेलीकोवि
दसुरवरमुदमूलो ॥ ४८ ॥ झूलतलाललली अलीआरे । वी
ननवीनप्रवीनसुधारे । मधुरमृदंगसारंगिसितारे सांगसं
गसउमंगसुतारे । गतितुरंगसुकुरंगिअपारे ॥ १ ॥ सिंजि
तगुनिमंजीरउदारे । कुंजकुंजअलिगुंजपिआरे । मंजुमं
जुमृदुमेघपुकारे । रंजिततनगंजितरिपुसारे ॥ २ ॥ केकी
कूकसलूककतारे । हूकचूकसीपिकहिविचारे । मूकभये
दादुरवकतारे । लूकमनोनिजमनमहधारे ॥ ३ ॥ रितुअ
नुकूलफूलकासारे । लोकिविशोकिभएसंसारे । सुरमना
इविनवेयहवारे चिरजीवेकोविदविदप्यारे ॥ ४१ ॥ सा
वनरितुलोकोहोप्रीयालोकनजीवनधनदीया । सुमनसल
गिसुमनसजलथलभलपरिमलविमलमिलितकीया । धी
रसमीरनीरभरनीरददेखिचाहझूलनतीया ॥ १ ॥ गृहगृह
विरहविरहितवधूटीजूटीदोलासुखलीयो । करतिहरति
मनसुरगनक्षनयहकोविदकरहुकरैहुहीया ॥ ५० ॥ वलित्र
लिअलिहोगावेउषिलषिलालनझूला । घनसघनगगनवि
जुखूला । विहरेहरेहोसवहरमनसुधिवुधिभूला ॥ १ ॥ ग
तिगानसतानसमूला । कोविदसवहोसाधनधनश्रीअनुकू

ला २ ५१ ॥ चलिएअलिहोसरजूतिरझूलनझूला । जलथ
लभलसत्रफुलफूला । घनसुन्दरहोसवसमयनायकअनुकू
ला ॥ १ ॥ नरिकिन्नरिसुरिमुदमूला । गावे भावहोकोवि
दकविछविलषिझूला ॥५२॥ करकेझूलनत्राझूलोभूलोमति
भूपतिलाला । मनिमयतयारीसाहिवगिआमनिमयवरशा
ला । सुखपरसवरसरसधीरहेरसेसमीरेआला ॥ १ ॥ शु
निस्वामिनिकामिनिवानीहंसिविहरेसुतक्षितिपाला । स
वहीसुखीललिआलीगावें अद्भुतगुनिमाला ॥ २ ॥ किन्न
रिनरिवरत्ररनाचेराचेचमत्कृतचाला । लषिसखिवनिहर
सेतरसेवरसेकुसुमसुरत्राला ॥ ३ ॥ धनिधनिभनिसुरमुनि
भारीरखवारीकियगिरभाला । कोविदकविछविलखिमो
हेदोहआनन्दउताला ॥ ५३ ॥ योगिआ ॥ करोपिआरा
सविलासविहार । महाराजमहारानीजूकोपरमप्रसादपि
यार ॥ १ ॥ रितुअनुकूलमूलमुदसौरभभरितसमीरसुतार
सरयूतीरगंभीरकुंजसुरलताकुटीरउदार ॥ २ ॥ जितगं
धर्वसुपर्ववधूअपसरससरससखिसारनर्त्तनगानसतानस-
लयनयकलाकुशलस्त्रीअपार ॥ ३ ॥ द्वादशमासउलाससस-
हितहितरासकिएनृपवार । कोविदवचनरचनसुनिवनिता
सुमत्रिसेसुरदार ॥ ५४ ॥ अलिलैझूलहींललिलालें । म
निमैझूलनमनिमैफूलनमनिमैमंदिरआलें । मनिमैतनुको
रुधवापीसुममनिमैखगमृगवालें । मनिमैतरुनितरंगगान

वरकोविदसुरवेहाल ॥ ५५ ॥ अलिलघुलाललालिवलिझूला
नरीसुरीअपसरीगाननृतिकरीहरीहियशूला ॥ १ ॥ धीर
समीरतीरसरिनीरदनीरहीरमुदमूला । कोविदसवसाधन
अद्भुतनुतकल्पलतातरुफूला ॥ ५६ ॥ शिरिशावनशोहाव
नझूलनमजरा । अटाचढिघटादेखालेखाविजुगजरा । हि
यधरेउचरेमृदुजितकजरा ॥ १ ॥ ललीअलीलैलालसंगच
ढीवजरा । झूलाझूलोसरितरिमोहें हरिअजरा ॥ २ ॥ पि
यसियसहकिनयहगुनिमोजराहियहरतियसुरसुखदिनगुज
रा ॥ ३ ॥ यहसुखसुआपालीपरदिलपंजरा । गहिकोवि
दयमुदसुरशिसुपंजरा ॥ ५७ ॥ अवनहिकोउगलीचलीन
वेलिअकेलिहो । अवधभुआरकुमारफिरतविनवेलिहो ।
झरठिलपटिपठगहतकहतकरुकेलिहो ॥ १ ॥ यहसमया
कोलाहवाहभलमेंलिहो । हसिहसिवातशोहत्तनयनभैभे
लिहो ॥ २ ॥ काहकहों गहों पावंदावकरिटेलिहो । हंसि
हांसायगलें लायकरतअतिजेलिहो ॥ ३ ॥ रूपअनूपनिहा
रिभूलिवहहेलिहो । कोविदकविछविधन्यधन्ययहखेलि
हो ॥ ५८ ॥ झूलतलाललीवलिहर्सन । घनगर्जतसधी
रसमीरसहितहितहितकरुमिसर्जतसुखवर्सन ॥ १ ॥ मनि
मयमन्दिरसुन्दरभागविभागवागसुरतरुसुरतर्सन । कोवि
दमोदविनादअद्भुते चाहतविधिहरिहिनितिदर्शन ॥५९॥
मंदमंदेझूलतझूला । ललकिललकिललिलालअलीलैवल

वलकिवलकिघनघुनिसुनितूला ॥ १ ॥ केकीकूकहूकभेकी हररुकतपत्रनभवनफुलफूला कोविदगानतानसात्रनघनसु नतसराहतसुरमुदमूला ॥ ६० ॥ झुलायदेझूलनासुतराज ललीअलीभाषतिअभिलाषतिलखिअद्भुतरितुसाज ॥ १ ॥ धीरसमीरनीरधरधावततीरसरयुशिरताज । वनरागीरा जतिविनदाजीकोविदविदमुदआज ॥ ६१ ॥ झूलिएललि हो सुरतरुवरवगिअ हेलालामनिमयझूलनअतिआलाफू लेहोसुरभीफुलमाला ॥ १ ॥ वहेगंधवहेशितशाला । घ नहासेघनेनभछाला ॥ २ ॥ गंधर्वसुपर्वसुत्राला । गावेंहो वातिलेतिउसासा ॥ ३ ॥ लखिकोविदकविछत्रिजाला । किन्नरिसुरिहांवेसवहीविहाला ॥ ६२ ॥ काफीभेद ॥ झू लतझूलनलाललीजू । हुलसिहुलसिझुलवतिस्त्रीअली जू । गानमनोहरनीहरपदयति हरतिउपसुरीमदअवली जू । सुनिशुमुनिवरफनिवरसुरवर मोहछोहवशिआशि रलीजू ॥ १ ॥ कुसुमसमूहअनूहमेहगतिनेहअछेहसुखद चपलीजू । नाचसाचराचेनाचेकर कोविदधनिभनिसत्र हिमलीजू ॥ ६३ ॥ झूलहींललिलालभलेजू । गावहिंगुन अलिआलिझुरावहिं धावहिंघनघनवातचलेजू ॥ १ ॥ वागसुभागलागसुरतरुवरविरुधफूलफूलेसुफलेजू । गुंजत मंजुपतंगपुंजअलिवलिवलिचलिसुरपरिअमलेजू ॥२॥ सुर सिरजेवजेवातसजेवसतेकरहिमजेरजेगुनिसुफलेजू । स

बहिप्रसंहिनिरखिपरस्परधनिधनिभ नफनिसुरसकलेजू ॥ ३ ॥ असनहिभाविफाविनसुनी कहुचहुजुगसत्रकहगहु विमलेजू । कोविद्कविछविसविरविकुलमनिजोतनिगहि लहिदहिसमलेजू ॥ ६४ ॥ झूलतझूलनप्यारीपीय सखि याझुलावतिभरिभरिहीय ध्रु० वरहरितमणित्ररचितथं भजुगकरीवाहीकेर । सुत्ररनसोहावनपालनाचमकेचुनी चहुफेर । तहँदंडविद्रुमखंडमण्डितकिंकिनीजुतहीर । शु भस्याममणिकृतभ्रमरभूखितअरुणमणिसिरकीर । फटि कशिलातलविरचितवितहररसमिरैसमकीय ॥ १ ॥ अध डरधतिरयकसोखुचित्रसरोतरोजलजात । नत्रनखतवि नाहित्रिहरतिलखिमनोजलजात । मधुमनहुगुंजतसुकसि लीमुखअहिसहितनहिभीर । उभैदिसिसिरदिसहिहंसँहि विवुधवधूचहुतीर । अद्भुतछविलखिलखिहिसराहतमाग निजसत्रजीय ॥ २ ॥ तहँयुगलरूपअनूपभूषहिमणिनभूष रनपाति । वरत्रसनत्रसितविचित्रचित्रसुगात्रहिंवहुभांति । उरतालअरुसुरजालसुनिसुरभालवहुतसराहु । नाषहि परस्परयंकचितहैलेहु अद्भुतछाहु जीवननैनसफलसत्रकर हूंकरहननेकुजभीटा ॥ ३ ॥ मनमानिकछुकसजातजानि त्रिजातिछविविजुमेह । सानंदसीकरदेहिलेहिविनोदमी दसनेह । लरजतनहीगरजतमनहुमणसिजत्रिजैत्रजीढील । निरखहिविनोदप्रमोदत्रासीलहहिमोदअमोल कोविदकवि

हियवसहिंसुछवियहसहितरघुवरसीय ॥ ६५ ॥ देश मल्लार ॥ झूलतउमंगभरेपियपियसियसंगरे । रतनजडितमैंवनाहिडोलाप्रमुदितरंगकरे ॥ १ ॥ युगलषंभवि चित्रसोहैमोतिनलालभरे । हरितलतानवितानचारुतर ककीकूककरे । कोविदकविछविनिरखिहरखिहियमुद आनंदभरे ॥ ६६ ॥ सैआँशावनझूलनझूलो । सेवनघनचाहतधनमितलखिसखिवनिरितुअनुकूलो ॥ १ ॥ धीरसमीरतीरसरजूकोनीरसुरभिफुलफूलो ॥ कोविदसुरतरुतरमनिझूलो । गुनिगनगुनसमतूलो ॥ ६६ ॥ वलिकरिअलिललिलालनझूलो । अद्भुतगतिगितिवादनअद्भुतस्वादन लहिसवफूलो ॥ १ ॥ देवभेवलहिसेवसुखीहैमेवदेवतरतूलो । कोविदमोदविनोदपाइयाआशिषदैमुदमूला ॥६७॥ श्रीशावनसुवहारलाललीअलीलैझूलाझूलतभूलतपरसुखकार । साधन विनसाधनविनवाधनराधनपरवरद्वारल खिसुरसरिआनंदसरिडूवतिउंघतिधनिभनिवार ॥ १ ॥ राजधानिधनिधनिरानीधनिधनिरंजनसरदार । श्रीदसरथहियरथकविकोविदपूरेपरमउदार ॥ ६८ ॥ प्रीतमतुमकाहेनविहरी । नवलवहारिनिहारिआम्रमंजरीपिंजरिगुंजत । मंजुमधुपनहिसिहरी । कंतकुंतमुखसरसमधुकशुकनिरषिविरहिहियाचिहरी ॥ १ ॥ होरितयारिरचामचोधूमसवहि घरघरअरुडहरीकोविदमुदहीजेलीजेजसतवसु

खचाहतसहरा ॥ ६९ ॥ तनहरिरुचिररचेसरितीर । सुर तरुत्रीरुधत्रागत्रनोधनिमुनिमनहरहरिहीर ॥ १ ॥ वाहि रतनसुरजतननौनीभितहरिहरतेअतिगीर । मंदिरमंजुकुं जमंजेकियसुरसुचिसुरभिसमीर ॥ २ ॥ पल्लवललितकलि तफुलफलभलअलिकुलगुंजगंभीर । तिन्जितवरमंजोरसु रीलखिमनरंजैत्रीर ॥ ३ ॥ चतुरचूडामणिवचनरचनप्रि- यासुनिगुनिकियरससीर । कोविदकविछविनिरखिपरखि सुखधनिधनिभनिमुनिधीर ॥ ७० ॥ करकेझूलनभलझूलो । सत्रहीमहीअनुकूलो । सुरभीसभीफुलफूलो । सरजूरि जूष्नुभकूलो ॥ १ ॥ वरसेरसेमुदमूलो । मलयानिलेजनि भूलों ॥ २ ॥ आलीअलीहियहूलो । तुमहींकरोगालगू लो ॥ ३ ॥ पहिरोविहारदुकूलो । कोविदहरोहियसूलो ॥ ७१ ॥ केलिकरोनृपत्रारे । सरजूरिजूसुकिनारे कवहूंतु रंगसत्रारे । कवहूंफिरोपगचारे ॥ १ ॥ कवहुसुकुंजविहा रे । कत्रहुझूलाझझकारे ॥ २ ॥ कत्रहुंकुसुमकरमारे । क वहुंअतरपिचकारे ॥ ३ ॥ सुरनारिनिरखिसुमडारे । को विदप्रमुदआधारे ॥ ७२ ॥ झूलतझूलनझलकअपारे । र तनशतनवरयतनसँत्रारे । लाललालीअलीसंगपधारे । ग गनसघनघनघूमतकारे । मंदमंदपुनिपुनिधुनिधारे । दा मिनिदमकरमकसुखसारे । चमकचारुचरचयहियहारे । धीरसमीरनोरलहिप्यारे । वहतमरुतअनुकूलकलारे ।स

रिसरनीरगँभीरभरारे । मनिमयनिर्मितकुशलकिनारे ॥२॥ वीरुधरुधतरुवरसुखसारे । फलफुलमंजुलपल्लवपारे । भृं गपतंगसुगुंजउचारे । मनुरागिनरागनललकारे ॥ ३ ॥ न रीकिन्नरीसुरीसुधारे । गानतानसफलितवसुधारे । सा रभयेसंसारमुधारे । कोविद्धनिधनिभनिविबुधारे ॥ ४ ॥ लाललली झूलेझूलाहोझुलवैं अलिआलि । गावतिभाव तिभाववतावतिधावतिहोगतिअद्भुतचालि ॥ १ ॥ मेहअ छेहनेहवरसतप्रियदरसतहोकोविदमुदपालि ॥ ७४ ॥ झू लाझूलैंहेाअहेाललली मनिमयझूलन मनिमयझुलनम निमयफूलनमनिमयझलकतिकंजकली ॥ १ ॥ कोविद वलिवलिअलिमलिझुलवैं मनिधनिधनिअवधथली ॥ ७५ ॥ करकेझुलनवाझूलेा । सवहीअनुकूलेा । वनउप वनसुरफुलफूलेासरजूकोकूलेा ॥ १ ॥ धीरेसमीरेनीरेपर सीहरसूलेा । कोविदकेलिपियारीकीजेमुदमूलेा ॥ ७६ ॥ ॥ रागजोगिया ॥ अलीलैखेलहिंललिलाल । कौंसरितीर गंभारनीरकहुंतरितरिगानविसाल ॥ १ वाजहिवाजअने कसाजमिलिकाकलिअद्भुतआल कोविददेववधूटीसुनिमनु वूटीखायविहाल ॥ ७६ ॥ नृपतिसुतखेलहिंउठिभोर । व धुरवंधुसिंधुगुनसुहृदहुं । अद्भुतनचावतघोर ॥ १ ॥ गति गभीरकहुंपयदरचितवनिहतउसलोचनकोर । कोविदव शीकरनमनुमनुवहजानतहैमनमोर ॥ ७७ ॥ लालकोमल

चालदेषे । मुधागयंदमरालल्लेषेकोमलकमलदलीविरचित गलीमंदजातमुसुकातपेषेसरिसबालवर जालकेलिसंगआ लआलसुखसोमरेषे ॥ १ ॥ दंगहोतपरमेशढंगलहिरंगअं गअद्भुतनुतवषे। कोविदथकितजकितहोतवरनतशारदना रदगनप्रतिशेषे ॥ ७८ ॥ विहरतलाललीअलीलीने । शु चिशुचिरुचिपररुचिरमुचिरवरधावतमतरसभीने। हरषि वरषिकहुंनिरषिपरषिसहुंगावतमेघनवीने । मंदमंदगर जतदरजतसुखसंगमृदंगरसीने । धीरसमीरनीरपरशीत शीतवहतकहतगितबीने ॥ २ ॥ वागसभागवनीकुसुमितध नीमनीकनीगृहकीनेविश्वकर्मनिजधर्ममनायसहायदेवति नहुंने ॥ ३ ॥ केलिअनेकनवेलिमनोहरकल्पवेलिफुलिपी ने। कोविदमोदविनोदमहायहमहिमहअद्भुतदीने ॥ ७९ ॥ विहरतलालविशालसरजुतट । मनिमयभूषनपूषनजित नितमितमितअमितअमितदुतिपितपट ॥ १ ॥ कहुंतरित रनरहदवरकरिवरकहुंपथरथकहुपयदरकृतिनट कहुंशुध दवरभवरसमरुधकहुंविनक्रुधसवहिसुमहिसुखयुधभट ॥ २ ॥ कहुंमुदमदद्रुगमृगसमकुदकहुभृशमृशअमृशवितरना मनामरट । कहुडरुतटत तरुफिरिफिरिधरुगरकरपिपर पाकरिअरुबरवट ॥ ३ ॥ कहुंगुरुगानतानमयबहुविधकहुं रहुराहठाहकहुंवहुझट कोविदमोदविनोदमहालहिवाह वाहकहिकियसुरसुमतट ॥ ८० ॥ रघुवरझुलाझुलेसियसा

थे। गीतसंगीतकुशलझुलवतिवितिनकमलदलहाथे ॥ १ ॥ वागतडागमंजुकंजावलिगुंजअलिकरेमाथे ॥ २ ॥ धीर समीरनीरधरधावतसरयूकूलाथे ॥ ३ ॥ कोविदमोदविनोदनरखियहसुरसरिकरेंकरमाथे ॥ ८१ ॥ एमेरेवल मांझुलोभलझूला । सावनमाससुहावनवरसेसरससवअनुकूला । आलसवसकसअसहोगफिलनाहककरोगालगूला ॥ १ ॥ असकहिनाहवाहधरिऐंचीहंसिउठेहरिशूला कोविद मोदविनोदकरनगलषिसवहीहियहूला ॥ ८२ ॥ एमेरेवल मांकरोझुलालीला । अलीभलीविधिसाजसजीसवकलीनिकरवरषीला । मोरशोरचहुंओरघोरघनघूमततुमकसढीला । गुनीअनेकसुतानगानकरुलयनयसुरवरजीला कोविदआलसवशमतिहोपियकरिहैरसिकजनगीला ॥ ८३ ॥ झूलतएकैझूलाहोहो । अनुकूला० । लाललालीअरुभरतलषनरिपुदमनसुतूलाहो । वचनअगोचरझलकतझूलाअलिमुदमूलाहो । गानतानअलिनाचसाचगतिलेतिओहूलाहोहो ॥ १ ॥ वागविभागविचित्रचित्रसवरितुफुलफूलाहो । गुंजनमंजुपुंजअलिमिंजितअभरनषूलाहोहो ॥ २ ॥ धीर समीरनीरधरधावतसरयूकूलाहो । षगमृगरसवसथिरशिरपेषेपरिहियभूलाहोहो ॥ ३ ॥ धनिधनिभनिकुसुमावलिवरपैहरपेथूलाहो । सुरवरकोविदकविछविदूरहिसवहियशूलाहोहो ॥ ८४ ॥ विहरतराजिवलोचनलाल । ग

गनसघनघनघूमतलखिलखिविहसिविहसिसहत्राल ॥ १॥ मनिमयत्रद्धसुद्धसरितीरेत्रिविधसमीरेआल । गानतान अतिमधुरवंधुरेमोहनमनमुनिमाल ॥ २ ॥ गुनिगननर उपसुरसुरकरतत्रकरहिभरहिसुरजालवाहत्राहकरित्राहप करिहरिहंसहिविनोदविसाल ॥ ३ ॥ विधिहरिहरमुदमा निअद्भुतेआसिषदैतजिहाल । कोविदकविछविवाहिस मयकीवरनैपुनिपुनिव्याल ॥ ८५ ॥ सिंधुझझोटी ॥ झु लाइदेझूलनासुतराज । ललीअलीभाषतिअभिलाषतिल षिअद्भुतरितुसाज ॥ १ ॥ धीरसमीरनोरधरधावततीर सरजुसिरताज । वनराजीराजतविनदाजीकोविदविदमु दआज ॥ ८६ ॥ सुद्धयोगिया ॥ ललीलैझूलाझूलैलाल। रितुअनुकूलफूलफललागेत्रागेविमलविसाल ॥ गगनसघ नघनघूमतचूमतविजुमुषसुसुषसुकाल ॥ ॥ नरतनगान निधानगुनोगननाजिरहाजिरहाल ॥ कोत्रिदसुसुदसमुदल गिपगिरसहसिउठिलालउताल ॥ ८७ ॥ प्रियसुखदसावनी तीजत्रीजमुदआईअलियांवलियाकरिगीतमीतहिसुनाई॥ लखिललितलतानवितानतानतरुभाई घनसघनगगनमों घूमिचूमिविजुघाई ॥ १ ॥ वरसेसरसेरसरंगअंगसुषदाईग रजैत्ररवोलअमोलवाजहिंत्रजाई ॥ लषिसिषीसुखीहोइले तकेतगतिगाई गुंजेपुंजेअलिमनोआनंदवढाई ॥ २ ॥ अ- वकीजेझूलनत्रहारप्यारवरसाई ॥ सुरकिन्नरिनरीअसे

षिदंषिसुखपाई । अतिअंधसुगंधअलीनगंधग्रहपाई । सग्रहरितहरितमनदेषुहेतुअधिकाई ॥ ३ ॥ बनवनउपत्र नवनसुमनसुमनससोहाई । नभसोभिअदभ्रसुअभ्रग्रला काछाई । मनमुक्ताहलकुमुदालिहारपहिराईकहुं इन्द्रधनु षग्ररछटाघटाबिचलाई । यहपरपरमोलषिरमाउमालल चाई । कविकोविदमोदविनोदपियादरसोई ॥ ५८ ॥

इति स्रीमन्महामहीपकुमारमारपद्मपरमाजयकारस्री महोलाविहारतत्परतरस्रीमद्रामभद्रगुरुमित्रसभासत्रिपा ठ्युपनामोमापतिशर्म्मनिर्म्मित दोलापदावलीशतांसुखस म्पत्सम्पादिकाभुयात् ॥

॥ अथ वनरा पदावली प्रारम्भः ॥